प्रेस प्रकाशनी

06.09.2018

सीबीएसई शिक्षक पुरस्कार (2017-18)

माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री उपेंद्र कुशवाहा ने वर्ष 2017-18 के लिए आज राजधानी में सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के 37 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को कक्षा अध्यापन में नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।

पहले की मैन्यूअल कार्य-प्रणाली में एक महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर, सीबीएसई ने पहली बार सीबीएसई पुरस्कार 2017-2018 के लिए प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे।

पूर्व में गठित क्षेत्रीय समितियों के बजाय बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय स्तर की स्क्रीनिंग समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने पुरस्कार विजेताओं को निम्न आधार पर चुना:

क) पुरस्कारों की सभी श्रेणियों के लिए सामान्य मानदंड, जैसे शैक्षणिक योग्यता, विद्वतापूर्ण योगदान, प्रयोजनमूलक अनुसंधान, पाठ्यचर्या, समुदाय और विद्यार्थी विकास उपलब्धियां, पुरस्कार और सम्मान।

ख) विशिष्ट मानदंड जैसे शिक्षक के रूप में प्रभावशीलता, निदानात्मक शिक्षण, और शिक्षक का तत्संबंधी योगदान तथा

सी) आमने-सामने परस्पर बातचीत।

प्रधानाचार्य के अतिरिक्त पुरस्कार विजेताओं में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। पुरस्कार पहली बार प्रदर्शन कला, विशेष शिक्षकों, स्कूल परामर्शदाताओं, व्यावसायिक, शारीरिक शिक्षा और आईटी शिक्षकों के लिए भी निर्धारित किए गए हैं।

बधाई समारोह श्रीमती रीना रे, सचिव (स्कूल शिक्षा और साक्षरता), श्रीमती अनिता करवल, अध्यक्ष सीबीएसई, श्री अनुराग त्रिपाठी सचिव, सीबीएसई और एमएचआरडी, एनवीएस, केवीएस और स्कूलों से कई अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया।

माननीय मंत्री ने राष्ट्र भर में सभी पुरस्कार विजेताओं और अन्य शिक्षकों को बधाई दी। शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है क्योंकि "एक शिक्षक अनंत काल को प्रभावित करता है और हम कह नहीं सकते कि उनका प्रभाव कहां समाप्त होता है"। प्रेरणास्रोत के रूप में शिक्षक छात्रों पर लंबे समय तक प्रभाव डालते हैं। इसलिए मूल्य आधारित अधिगम से शिक्षा को मानवीय स्वरूप देने की आवश्यकता है। माननीय मंत्री ने कहा कि शिक्षकों को तंत्र की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होना चाहिए और उन्हें उत्कृष्ट शिक्षा पद्धतियों को लागू करने और शिक्षित करने का ज्ञान होना चाहिए क्योंकि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं।

श्रीमती रीना रे, सचिव (स्कूल शिक्षा और साक्षरता) ने सभी पुरस्कार विजेताओं की प्रशंसा में कहा कि शिक्षा के लक्ष्यों में से एक भविष्य के लिए आत्मविश्वास से परिपूर्ण छात्रों को तैयार करना है और उन्हें सामाजिक रूप से जिम्मेदार, सच्चरित्र और अभिनव विचारक बनाना है, जबकि शिक्षा सुलभ, निष्पक्ष होनी चाहिए और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। एक शिक्षक की भूमिका के तहत छात्रों को रटना सिखाने की बजाय दक्षताओं पर जोर देकर उन्हें तैयार करना आता है। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षा–कक्ष में रचनात्मकता, जिज्ञासु व्यवहार को प्रोत्साहित करने, और शिक्षा में मौलिक परिवर्तन लाकर देश को आगे बढ़ाने का आवाहन किया।

अध्यक्ष सीबीएसई श्रीमती अनिता करवल ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि विश्व शिक्षकों का राष्ट्रों, वैश्विक समाजों के निर्माण के लिए और शिक्षण एवं मार्गदर्शन द्वारा अनेक छात्रों का जीवन संवारने के लिए ऋणी है। श्रीमती अनीता करवल ने कहा कि शिक्षक हमारे देश की वास्तविक शक्ति और गर्व हैं। उन्होंने एक वर्ष में पांच दिनों के लिए अनिवार्य शिक्षक प्रशिक्षण, कौशल शिक्षा, शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा, तथा नवाचार व आईसीटी के उपयोग पर जोर दिया।

श्री अनुराग त्रिपाठी, सचिव सीबीएसई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और कहा कि ये पुरस्कार प्रत्येक पुरस्कार विजेता की प्रतिबद्धता, समर्पण और निःस्वार्थ भावना के परिसाक्ष्य हैं।

प्रत्येक पुरस्कार के अंतर्गत एक योग्यता प्रमाणपत्र, एक शाल और रु. 50,000 /- का नकद पुरस्कार होता है।

रमा शर्मा
वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी